1959

Á’ui= 1

Hkkx A

ÁcU/k ,oa laxBu dk fl)kar

1. संगठन में पहला तार्किक सोपान हैः
   A. कार्य की पहचान
   B. प्राधिकार का प्रत्यायोजन
   C. कार्य का विभाजन
   D. कर्तव्यों का आबंटन

2. निम्नलिखित में से किस प्रकार के संगठन ढाँचे में एक अविभाजित ऊर्ध्वाधर रेखा होती है जिसके माध्यम सेप्राधिकार (authority)संगठन के उच्च स्तर से निम्न स्तर तक प्रवाह करता हैः
   A. परियोजना संगठन
   B. रेखा और कर्मचारी संगठन
   C. रेखा संगठन
   D. आव्यूह संगठन

3. प्रषासन के उद्देष्यों के लिए इकाइयों में समूहीकरण की गतिविधियों की प्रक्रिया कहलाती हैः
   A. प्राधिकार का केन्द्रीकरण
   B. विभागीकरण
   C. प्राधिकार का प्रत्यायोजन
   D. प्राधिकार का विकेन्द्रीकरण

4. अधीनस्थों को उनकी सीमाओं में कार्य करने का अधिकार प्रदान करने की प्रक्रिया कहलाती हैः
   A. प्राधिकार का विकेन्द्रीकरण
   B. प्राधिकार का केन्द्रीकरण
   C. विभागीकरण
   D. प्राधिकार का प्रत्यायोजन

5. निम्नलिखित में से कौनसी ‘संगठन विचारधारा” ने संगठनात्मक कार्यप्रणाली के अध्ययन में व्यावहारिक विज्ञान को लागू किया हैः
   A. नवीन परंपरावादी विचारधारा
   B. परंपरावादी संगठन विचारधारा
   C. आकस्मिक विचारधारा
   D. प्रणाली संगठन विचारधारा

6. परिवेष में किसी व्यक्ति अथवा वस्तु के प्रति सकारात्मक अथवा नकारात्मक प्रकार से प्रतिक्रिया व्यक्त करना कहलाता हैः
   A. विष्वास
   B. मूल्य
   C. व्यवहार
   D. मनोवृत्ति

7. वह प्रक्रिया जिसके द्वारा व्यक्ति अपने परिवेष को अर्थ प्रदान करने के लिए एकत्र होते हैं तथा अपने संवेदी प्रभावों की व्याख्या करते हैं, उसे कहते हैं:
   - A. अवबोध
   - B. मनोवृत्ति
   - C. व्यवहार
   - D. सीखने की प्रक्रिया

8. निम्नलिखित में से कौनसी "सीखने की प्रक्रिया की विचारधारा" इस धारणा पर आधारित है कि सीखने की क्रिया को घटनाओं और व्यक्तिगत लक्ष्यों तथा अपेक्षाओं के बीच अवबोधित संबंध के बारे में विचार करके प्राप्त किया जा सकता है:
   - A. पारंपरिक विचारधारा
   - B. सक्रिय विचारधारा
   - C. संज्ञानात्मक विचारधारा
   - D. सामाजिक ज्ञान की विचारधारा

9. पूर्ण रूप से विकसित बाह्य और आंतरिक औपचारिक उद्देष्यों वाले संगठन कहलाते हैं:
   - A. संस्थाएँ
   - B. निगम
   - C. सीमांत संगठन
   - D. परिषिष्ट संगठन

10. सी.एस.एफ. का विस्तार है:
    - A. कंस्टुमर–सेंडी फैक्टर
    - B. क्रिटिकल सक्सेस फैक्टर्स
    - C. कंज्यूमर–सेंडी फंक्षन
    - D. कांफ्लिक्ट सेटिंग फैक्टर्स

11. निम्नलिखित में से कौनसी स्थिति में संघर्ष उत्पन्न नहीं होगा:
    - A. सबसे अधिक प्राथमिकता दिए जाने वाले विकल्पों की अस्वीकृति
    - B. विकल्पों के परिणामों की अनिष्चितता
    - C. विकल्पों के परिणामों की अतुलनात्मकता
    - D. विकल्पों की तुलनात्मकता

12. सदस्यों द्वारा धारित विभाजित अर्थ वाली प्रणाली जो एक संगठन से दूसरे संगठनको अलग करती है, वह निम्नलिखित से संबंधित है:
    - A. संगठनात्मक लक्ष्य
    - B. लक्ष्य निर्धारण
    - C. संगठनात्मक संस्कृति
    - D. संघर्ष प्रबंधन

13. संगठन में कार्मिकों (कर्मचारियों) से संबंधित नीतियों, क्रियाविधियों, पद्धतियों और कार्यक्रमों को विकसित करने, लागू करने और मूल्यांकन करने की प्रक्रिया को कहते हैं:
    - A. मानव संसाधन प्रबंध
    - B. भर्ती के आंतरिक स्रोत
    - C. भर्ती के बाह्य स्रोत
    - D. कार्य की आवष्यकताओं और विषेषीकरण को पूरा करने के लिए जनषक्ति के स्रोत

14. निम्नलिखित में से कौनसा भर्ती करने का प्रमुख आंतरिक स्रोत नहीं हैः
   A. पदोन्नति
   B. स्थानांतरण
   C. व्यावसायिक निकाय
   D. प्रषिक्षण

15. "अपदस्थता की प्रक्रिया"(dismissal procedure)में पहला चरण हैः
   A. प्रतिवाद प्राप्त करना
   B. लिखित आरोपपत्र तैयार करना और जारी करना
   C. जाँच प्रक्रिया आयोजित करना
   D. जाँच की सूचना जारी करना

16. निम्नलिखित में से कौन "जबरी छुट्टी"(lay-off) के दौरान क्षतिपूर्ति का दावा करने का हकदार नहीं हैः
   A. वह कर्मचारी जिसने कम से कम एक वर्ष की निरंतर सेवा पूरी कर ली है
   B. जिसका नाम वृत्ति रजिस्टर पर प्रदर्षित है
   C. आकस्मिक अथवा बदली कर्मचारी
   D. उपर्युक्त में से कोई नहीं

17. टेलर द्वारा प्रतिपादित वैज्ञानिक प्रबंध के मूल सिद्धांतों में से एक सिद्धांत हैः
   A. "व्यक्तिवाद" पर बल
   B. कर्मचारियों की अपेक्षा प्रबंधकों का विकास
   C. इष्टतम उत्पादन (सीमित उत्पादन)
   D. प्रयोग–विधि का विज्ञान के साथ प्रतिस्थापन

18. प्रबंध के सिद्धांतों को प्रस्तुत करते समय, निम्नलिखित में से किस पर बल नहीं दिया जाता हैः
   A. सौपानिक श्रृंखला
   B. श्रम विभाजन
   C. निर्देष की एकता
   D. योजना बनाने और कार्य करने का एकीकरण

19. परिस्थिति परिवर्तकों (situational variables)और प्रबंध परिवर्तकों (management variables)के बीच "मैच" अथवा "फिट" होना चाहिए। मानव संबंध विचारधारा से संबंधित निम्नलिखित विचारधाराओं में से यह एक विचारधारा का मूल विषय है। निम्नलिखित में से कौनसी एक विचारधारा हैः
   A. आकस्मिकता विचारधारा
   B. प्रणाली विचारधारा
   C. व्यावहारिक विचारधारा
   D. वैज्ञानिक और प्रबंध विचारधारा

20. निम्नलिखित में से कौनसी एक "प्रषिक्षण"(training) की मान्यताप्राप्त विधि नहीं हैः
   A. द्वारप्रकोष्ठ प्रषिक्षण
   B. औपचारिक षिक्षा कार्यक्रम
   C. इंटर्नषिप प्रषिक्षण
   D. षिषिक्षु प्रषिक्षण

21. "यह माना जाता है कि प्रस्तावित गतिविधियों (क्रियाओं) के विचार और निर्माण में कारकों का चयन करना और उन्हें व्यक्त करने की प्रक्रिया वांछित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए आवश्यक है" जो निम्नलिखित से संबद्ध हैः
   A. नियोजन
   B. नियंत्रण
   C. निर्देषन
   D. निर्णयन

22. निम्नलिखित में से कौनसी नियोजन की प्रविधि नहीं हैः
   A. बजटन
   B. उद्देष्यों द्वारा प्रबंध
   C. पी.ई.आर.टी. और सी.पी.एम.
   D. वित्तीय विवरण

23. निम्नलिखित में से कौनसा एक "पूर्वानुमान" का अनिवार्य तत्व नहीं हैः
   A. आधार कार्यका विकास
   B. व्यवसाय की भविष्य की विधि का पूर्वानुमान लगाना
   C. अनुमानित परिणामों के साथ वास्तविक परिणामों की तुलना करना
   D. उपर्युक्त सभी

24. सी.पी.एम. का अर्थ हैः
   A. कंट्रोलिंग, प्लानिंग और मैनेजमेंट
   B. क्रिटिकल पाथ मैथड
   C. क्रिटिकल प्लानिंग मैथड्स
   D. क्रिएटिव प्रोग्राम मेजरमेंट

25. "समूह के लिए प्रभावषाली ढंग से साथ–साथ कार्य करने के लिए चुने हुए कार्यों, व्यक्तियों और कार्यस्थलों के बीच प्रभावी अधिकार संबंध" कहलाता हैः
   A. समन्वयन
   B. निर्णयन
   C. संगठन
   D. बजटन

26. निम्नलिखित में से कौनसी "नियंत्रण" की प्रविधि नहीं हैः
   A. बजटरी नियंत्रण
   B. सीमा–स्तर विष्लेषण
   C. एम.आई.एस. (प्रबंध सूचना प्रणाली)
   D. प्रभावी संप्रेषण

27. "मास्लो का प्रतिरूप"(Moslow's Model)हैः
   A. अभिप्रेरण का एकसिद्धांत
   B. संचार की प्रक्रिया में प्रयोग होने वाला एक प्रतिरूप
   C. प्रबंध का स्वरूप
   D. नियोजन की युक्ति

28. किसके "नेतृत्व" में नेता, शक्ति से बचता है और नेतृत्व की स्थिति को छोड़ देता है:
   A. सत्तावादी नेतृत्व
   B. निर्बाध नेतृत्व
   C. सहभागी नेतृत्व
   D. उपर्युक्त में से कोई नहीं

29. कुछ वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए मौजूदा संगठनात्मक प्रणाली में विवेकपूर्ण परिवर्तन एक निम्नलिखित प्रकार का परिवर्तन है:
   A. नियोजितपरिवर्तन
   B. प्रारंभिक (विकासात्मक) परिवर्तन
   C. क्रांतिकारी परिवर्तन
   D. उपर्युक्त में से कोई नहीं

30. संगठन द्वारा आरंभ किए गए "परिवर्तन" को कहते हैं:
   A. उत्तेजनात्मक परिवर्तन
   B. प्रतिक्रियात्मकपरिवर्तन
   C. उपर्युक्त दोनों (अर्थात A और B)
   D. इनमें से कोई भी नहीं (अर्थात न तो A और न हीB)

31. निम्नलिखित "परिवर्तनों के लिए दबावों" (pressures for changes)में से किसकी उत्पत्ति संगठन (आंतरिक शक्ति) में होती है:
   A. बाजार की स्थिति
   B. प्रौद्योगिकी
   C. वर्तमान प्रणाली में कमियाँ – रेखा कर्मचारी संघर्ष
   D. राजनीतिक और कानूनी प्रणाली

32. निम्नलिखित में से कौनसा "परिवर्तन के विरोध"(resistance to change) का प्रमुख कारण है:
   A. आर्थिक हानि का भय
   B. दक्षता के अप्रचलन का भय
   C. साथी समूह का दबाव
   D. उपर्युक्त सभी

33. प्रबंधकों द्वारा "समूहों के माध्यम से" परिवर्तन के "विरोध" को नियंत्रित करने के लिए निम्नलिखित में से कौनसी रणनीति अपनाई जा सकती है:
   A. समूह संपर्क
   B. समूह कार्यषीलता(गतिषीलता) परिवर्तन
   C. उपर्युक्त दोनों (अर्थात A और B)
   D. इनमें से कोई भी नहीं (अर्थात न तो A और न हीB)

34. निम्नलिखित में से किस सिद्धांत की "भविष्य में प्रबंध" के लिए आवष्यकता है:
   A. अवबोध द्वारा प्रबंध का सिद्धांत
   B. प्रभावपूर्ण संगठनात्मक विकास का सिद्धांत
   C. प्रबंध सूचना प्रणाली का प्रभावी उपयोगसिद्धांत
   D. उपर्युक्त सभी

35. प्रथम निदेषकों की नियुक्ति (कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 254 के अनुसार) की जाती हैः
   A. कंपनी के प्रोमोटरों द्वारा
   B. केन्द्रीय सरकार द्वारा
   C. उच्च न्यायालय द्वारा
   D. निदेषक मंडल द्वारा

36. निम्नलिखित में से कौनसी "सांविधिक शक्ति" कम्पनी के निदेषक को प्राप्त(धारा 291 और धारा 292 के अनुसार) नहीं है?
   A. डिबेंचर जारी करना
   B. कम्पनी की निधियों का निवेष करना
   C. एक्जेक्यूटिव और अन्य कार्मिकों को नियुक्त करना
   D. शेयरों पर भुगतान न किए गए धन के संबंध में बुलाना

37. किसी कंपनी के सभी निदेषकों को देय कुल पारिश्रमिक निम्नलिखित से अधिक नहीं होना चाहिएः
   A. निवल लाभ का 5%
   B. निवल लाभ का 11%
   C. निवल लाभ का 10%
   D. निवल लाभ का 3%

38. प्रबंध निदेषक की नियुक्ति की जाती हैः
   A. कंपनी के साथ करार करके
   B. कंपनी की सामान्य बैठक में प्रस्ताव पारित करके
   C. ज्ञापन अथवा संघ के अंतर्नियमों (articles of associations) द्वारा
   D. इनमें से कोई एक

39. "वह उपक्रम जिसका स्वामित्व राष्ट्रीय, राज्य अथवा स्थानीय सरकार के पास होता है, वह सेवाएँ अथवा वस्तुओं (सामान) की आपूर्ति किसी मूल्य पर करता है और उसका संचालन कमोबेष आत्मनिर्भर आधार पर होता है", वह उपक्रम कहलाता हैः
   A. सार्वजनिक उद्यम
   B. प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी
   C. पब्लिक लिमिटेड कम्पनी
   D. न्यास (ट्रस्ट)

40. "सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की इक्विटी के विनिवेष" का मुख्य उद्देष्य हैः
   A. सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को सुदृढ़ करना
   B. व्यापक आधारवाला स्वामित्व
   C. सरकार की प्राप्तियाँ बढ़ाना
   D. उपर्युक्त सभी

Hkkx B

y[kk'kkL=

41. ″पुस्तकोंमें व्यावसायिक व्यवहारों को अंकित करने की कला″ कहलाती हैः
    - A. लेखांकन
    - B. पुस्तपालन
    - C. लागत लेखांकन
    - D. प्रबंधकीय लेखांकन

42. वित्तीय विवरणों के माध्यम से दी जाने वाली वित्तीय सूचना किस आधार पर तैयार की जाती हैः
    - A. सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (GAPP) के आधार पर
    - B. इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा विकसित प्रक्रियाओं के आधार पर
    - C. इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा निर्धारितसिद्धांतों के आधार पर
    - D. फाइनेंषियल एकाउंटिंग स्टैंड्र्डस बोर्ड के द्वारा विकसित सिद्धांतों के आधार पर

43. निम्नलिखित में से कौनसी ″अमूर्त सम्पत्ति″ (Intangible asset)हैः
    - A. कंप्यूटर
    - B. जमीन
    - C. पेटेंट
    - D. वस्तुओं का स्टॉक

44. ″प्राप्य धन″ (Amount receivable)को आम तौर पर निम्नलिखित के रूप में वर्गीकृत होता हैः
    - A. वर्तमान दायित्व
    - B. पूँजीगत व्यय
    - C. आयगत व्यय
    - D. मौजूदा संपत्ति

45. ″प्रत्येक लेनदेन (व्यवहार) के दो प्रभाव होते हैं, जिन्हें लेखा बहियों में दर्ज किया जाना चाहिए″ – इस कथन में निम्नलिखित में से कौनसा लेखांकन सिद्धांत अपनाया जाता हैः
    - A. द्विप्रभावसिद्धांत
    - B. मिलान सिद्धांत
    - C. पृथक स्वामित्व सिद्धांत
    - D. उपार्जन सिद्धांत

46. किसी व्यवसाय के दायित्व 19,780 रुपये हैं। मालिक की इक्विटी 35,000 रुपये हैं। व्यवसाय की सपत्ति होगीः
    - A. 15,200 रुपये
    - B. 54,780 रुपये
    - C. 35,000 रुपये
    - D. 19,780 रुपये

47. निम्नलिखित में से कौनसा अवास्तविक (nominal account) खाता है:
   A. Cash A/c
   B. Bank A/c
   C. Software Expenses A/c
   D. Salary Payable A/c

48. नियमः "व्यवसाय में जो आता है, उसे डेबिट करो, व्यवसाय से जो जाता है, उसे क्रेडिट करो" निम्नलिखित में से किस प्रकार के खाते के लिए लागू होता है:
   A. वास्तविक खाता
   B. अवास्तविक खाता
   C. व्यक्तिगत खाता
   D. प्रतिनिधि व्यक्तिगत खाता

49. अवास्तविक खातों के शेषों को:
   A. सीधे उस अवधि के आय विवरण में जोड़ दिया जाता है
   B. सीधे उस अवधि के P & L Appropriation A/c में जोड़ दिया जाता है
   C. P & L A/c की आगामी अवधि में ले जाया जाता है
   D. सीधे चिट्ठे(Balance sheet) में दिखाया जाता है

50. 150 रुपये ब्याज की प्रविष्टि निम्नलिखित रूप से की जाती है:

Interest A/c	Dr. 150	
To Cash A/c		150

यह किस प्रकार की "अषुद्धि" है?
   A. क्षतिपूरक(compensating) त्रुटि
   B. लोप (omission)की अषुद्धि
   C. दोहरेपन (duplication)की अषुद्धि
   D. सिद्धांत(principle) की त्रुटि

51. अंतिम लेखा तैयार करते समय "उपार्जित आयों" को किस प्रकार माना जाता है:
   A. P & L A/c में आय के रूप में दर्षाकर
   B. चिट्ठे में संपत्ति के रूप में दर्षाकर
   C. दोनों A और B
   D. केवल चिट्ठे में संपत्ति के रूप में दर्षाकर

52. "आरंभिक प्रविष्टि" के संबंध में निम्नलिखित में से कौनसा सही है?
   A. डेबिट दायित्व और क्रेडिट संपत्तियाँ तथा पूँजी
   B. डेबिट पूँजी और दायित्व तथा क्रेडिट पूँजी
   C. डेबिट संपत्तियाँ और दायित्व तथा क्रेडिट पूँजी
   D. डेबिट संपत्तियाँ और क्रेडिट दायित्व तथा पूँजी

53. निम्नलिखित में से कौनसी मद (item)रोकड़ बही (कैषबुक) में नहीं दर्षाई जाती है:
   A. व्यापारिक संस्था द्वारा जारी किए गए चैक बैंक द्वारा डेबिट नहीं किए जाते
   B. चैक जमा तो किए जाते हैं परंतु बैंक द्वारा क्रेडिट नहीं किए जाते।
   C. बैंक खाते में सीधे जमा
   D. नियमित भुगतान के लिए स्थायी निर्देष

54. रोकड़ बही में नामे शेष (debit balance) का अर्थ है:
   A. संपत्तियाँ
   B. बैंक ओवरड्राफ्ट
   C. उपर्युक्त दोनों (अर्थात A और B)
   D. इनमें से कोई भी नहीं (अर्थात न तो A और न हीB)

55. बैंक समाधान विवरण तैयार करते समय निम्नलिखित में से किसे शामिल नहीं किया जाना चाहिए:
   A. बैंक से नकद निकाले गए 20,000 रुपये
   B. निजी प्रयोग के लिए 5,000 रुपये के लिए जारी किया गया चैक
   C. बैंक द्वारा एक महीने में 75 रुपये डेबिट किए गए और बैंक विवरण प्राप्त होने पर अगले महीने रोकड़ बही में दर्ज (प्रविष्ट) किए गए
   D. उधार बिक्री 75,000 रुपये

56. "विनिर्माण व्यवसाय" (manufacturing business) के लिए लाभ और हानि खाते के घटक होंगे:
   A. विनिर्माण खाता
   B. व्यापारिक खाता
   C. लाभ–हानि खाता
   D. उपर्युक्त सभी

57. लाभ के वितरण का अर्थ है:
   A. नियोजन(Appropriation)
   B. व्यय
   C. आय
   D. उपर्युक्त में से कोई नहीं

58. व्यक्तिगत खातों और वास्तविक खातों में सभी नामे शेषों को कहा जाता है:
   A. दायित्व
   B. संपत्तियाँ
   C. लाभ
   D. हानि

59. विनिमय विपत्र लिखता है:
   A. क्रेता
   B. प्राप्तकर्ता
   C. विक्रेता
   D. बेचानकृत्ति

60. प्रेषण व्यापार(consignment trade) में जब प्रेषिती (consignee) विनिमय–विपत्र (bill of exchange) स्वीकारकरता है तो प्रेषक की बहियों (books) में लेखांकन प्रविष्टि होगी:
   A. Bills Receivable A/c Dr.
      To Consignee's Personal A/c
   B. Consignee's Personal A/c Dr.
      To Bills Receivable A/c
   C. Consignor's Personal A/c Dr.
      To Bills Payable A/c
   D. Bills Payable A/c Dr.
      To Consignor's Personal A/c

61. A और B ने XYZ Ltd. के लिए एक बिल्डिंग बनाने के लिए व्यवसाय का संयुक्त उद्यम किया। अनुबंध की राषि 10,00,000 रुपये है जिसमें से 8,00,000 रुपये की राषि नकद और 2,00,000 रुपये की राषि XYZ Ltd. के अंषों (Shares) में देनी थी। जर्नल प्रविष्टियाँ, जब पृथक बहियाँ नहीं रखी जाएँ तो होंगीः

A. Joint Venture A/c Dr. 10,00,000
   To Joint Bank A/c 8,00,000
   To Shares (XYZ Ltd.) A/c 2,00,000

B. Joint Bank A/c Dr. 8,00,000
   To Shares (XYZ Ltd.) A/c Dr. 2,00,000
   To Joint Venture A/c 10,00,000

C. Joint Bank A/c Dr. 10,00,000
   To Shares (XYZ Ltd.) A/c 2,00,000
   To Joint Venture A/c 8,00,000

D. To Joint Venture A/c Dr. 8,00,000
   To Shares (XYZLtd.) A/cDr. 2,00,000
   To Joint Bank A/c 10,00,000

62. वह विवरण जिसमें व्यापारियों की पूँजी को निर्धारित करने के लिए संपत्तियों और दायित्वों की मदें (items) होती हैं, उसे कहते हैंः

A. स्थिति विवरण
B. कच्चा मिलान (trial balance)
C. चिट्ठा (तुलनपत्र)
D. रोकड़ बही का सार

63. निवल संपत्ति विधि (net worth method) के अंतर्गत लाभ/हानि का पता निम्नलिखित के बीच अंतर से लगाया जाता हैः

A. दो तारीखों पर संपत्तियों और दायित्वों के बीच अंतर से
B. दो तारीखों पर सकल संपत्तियों के बीच अंतर से
C. दो तारीखों पर दायित्वों के बीच अंतर से
D. दो तारीखों पर पूँजी के बीच अंतर से

64. अधूरे रिकार्डों से वित्तीय विवरण तैयार करते समय "निवेष पर उपार्जित ब्याज" – एक लुप्त संख्या का पता निम्नलिखित को तैयार करके लगाया जा सकता हैः

A. Cash Book
B. Total Debtors A/c
C. Revenue Income A/c
D. Total Creditors A/c

65. निम्नलिखित ब्यौरे लेखा रिकार्डों से लिए गए हैं जिन्हें पूरी तरह दोहरी लेखा पद्धति (double entry system) के आधार पर नहीं अपनाया जाता है:

अंत में पूजी	:	48,000 रुपये
वर्ष के दौरान कमाया गया लाभ	:	14,400 रुपये
आहरण (निकासियाँ)	:	7,200 रुपये
वर्ष के दौरान डाली गई अतिरिक्त पूँजी	:	12,000 रुपये

आरंभ में पूँजी क्या होगी?

A. 21,600 रुपये
B. 36,000 रुपये
C. 40,800 रुपये
D. 28,800 रुपये

66. एक पुराना कंप्यूटर सिस्टम के साथ 7,500 रुपयेका खरीदा गया। इसे सर्विस के लिए दिया गया और सर्विस के लिए 500 रुपये दिए गए। तकनीषियन को स्थापना प्रभार के 250 रुपये दिए गए। दर्ज किया जाने वाला पूँजीकृत मूल्य (capitalized value) होगा:

A. 8,250 रुपये
B. 7,500 रुपये
C. 8,000 रुपये
D. 7,750 रुपये

67. लेखा वर्ष में भुगतानकिया गया किराया 12,000 रुपये था। वर्ष के अंत में अग्रिम भुगतान किया गया किराया 1,000 रुपये था। वर्ष के लिए बकाया किराया परंतु जिसका अभी तक भुगतान नहीं किया गया वह 2,000 रुपये था। आय और व्यय खाते में डेबिट की जाने वाली राषि है:

A. 11,000 रुपये
B. 13,000 रुपये
C. 12,000 रुपये
D. 14,000 रुपये

68. यदि आय 35,700 रुपये है और पूँजीगत निधि (capital fund)में डेबिट किया गया घाटा 8,300 रुपये है तो व्यय होगा:

A. 27,400 रुपये
B. 35,700 रुपये
C. 44,000 रुपये
D. 8,300 रुपये

69. लेखा वर्ष के आरंभ में पुस्तकों का मूल्य 1,00,000 रुपयेहै। उस लेखा वर्ष के दौरान खरीदी गई पुस्तकों का मूल्य 30,000 रुपयेहै। यदि इसका मूल्य @ 10%कम हो जाता है तो वसूल की जाने वाली मूल्यह्रास (depreciation value)राषि होगी:

A. 13,000 रुपये
B. 11,500 रुपये
C. 10,500 रुपये
D. 10,000 रुपये

70. वर्ष 2011 के दौरान अलाभकारी संगठन द्वारा भुगतान किए गए वेतन की राषि 24,000 रुपयेथी। निम्नलिखित अतिरिक्त सूचना के साथ आय और व्यय खाते(Income and Expenditure A/c) में वेतन (salaries) के अंतर्गत दर्षायी जाने वाली राषि का पता लगाइएः

	31 दिसंबर, 2010	31 दिसम्बर 2011
पूर्वप्रदत्त वेतन	2,000 रुपये	3,500 रुपये
अप्रदत्त वेतन	5,000 रुपये	2,000 रुपये

A. 19,500 रुपये
B. 29,500 रुपये
C. 30,000 रुपये
D. 22,500 रुपये

71. प्रोसेस कॉस्टिंग निम्नलिखित के लिए उपयुक्त हैः
A. सिविल इंजीनियरिंग निर्माण
B. ईंट बनाना
C. तेल–षोधन (तेलशोधक कम्पनियाँ)
D. मुद्रण

72. तत्व–वार वर्गीकरण के अनुसार श्रेणीकरण कीजिएः
"निर्मित की गई वस्तुओं की संख्या के लिए देय रॉयल्टी"
A. प्रत्यक्ष व्यय
B. प्रत्यक्ष सामग्री
C. प्रत्यक्ष श्रम
D. अप्रत्यक्ष आय

73. मितव्ययी आदेष मात्रा का परिकलन कीजिएः

Annual Consumption	600 units
Order Cost	Rs.12 per order
Cost Price per Unit	Rs.20
Selling and Carrying cost	20%

A. 50 यूनिट्स
B. 60 यूनिट्स
C. 30 यूनिट्स
D. 120 यूनिट्स

74. पुनः आदेष स्तर ज्ञात कीजिएः

अधिकतम प्रयोग	300 इकाइयाँ
न्यूनतम प्रयोग	200इकाइयाँ
पुनः आदेष अवधि	8 से 10 दिन

A. 2,000 इकाइयाँ
B. 1,600 इकाइयाँ
C. 3,000 इकाइयाँ
D. 2,400 इकाइयाँ

75. निम्नलिखित आँकड़ों से फ्लक्स विधि का प्रयोग करके श्रम–आवर्त अनुपात परिकलित कीजिए:

वर्ष के आरंभ में कर्मचारियों की संख्या	200
वर्ष के अंत में कर्मचारियों की संख्या	240
त्यागपत्र देने वाले कर्मचारियों की संख्या	20
सेवामुक्त किए गए कर्मचारियों की संख्या	5
प्रतिस्थापित (replaced) किए गए कर्मचारियों की संख्या	18

A. 11.36%

B. 8.18%

C. 18%

D. 19.55%

76. निम्नलिखित सूचना से हालसे–वेयर प्रणाली के अंतर्गत किसी श्रमिक की मजदूरी होगी:

अनुमत समय	48 घंटे
लिया गया समय	40 घंटे
प्रति घंटा दर	3 रुपये

A. 127.20 रुपये

B. 98.00 रुपये

C. 130.80 रुपये

D. 107.20 रुपये

77. उत्पादन विभागों पर सेवा विभाग की लागतों केपुनः वितरण कोकहते हैं:

A. उत्पादन उपरिव्ययों का गौण वितरण

B. उत्पादन उपरिव्ययों का प्राथमिक वितरण

C. उपरिव्ययों का संकेतीकरण

D. उपर्युक्त में से कोई नहीं

78.

एक विभाग के कार्य उपरिव्यय	:	1,00,000 रुपये
प्रयोग की गई प्रत्यक्ष सामग्री	:	5,00,000 रुपये
व्यय किया गया प्रत्यक्ष श्रम	:	4,00,000 रुपये

मूल लागत होगी:

A. 10,00,000 रुपये

B. 6,00,000 रुपये

C. 9,00,000 रुपये

D. 5,00,000 रुपये

79.

प्रत्यक्ष मजदूरी	:	4,00,000 रुपये
प्रत्यक्ष सामग्री	:	6,00,000 रुपये
कार्य उपरिव्यय	:	2,00,000 रुपये

कार्य लागत का मूल लागत प्रतिषत होगा:

A. 20%

B. 50%

C. $33\frac{1}{3}\%$

D. 25%

80. निम्नलिखित विवरणों (particulars) से उत्पादन उपरिव्यय की राशि ज्ञात कीजिए:

Office Stationery	:	6,000 रुपये
Factory Lighting	:	10,000 रुपये
Works Managers Salary	:	30,000 रुपये
Indirect Materials	:	6,000 रुपये
Audit Fees	:	5,000 रुपये
Foreman's Salary	:	12,500 रुपये

A. 69,500 रुपये
B. 63,500 रुपये
C. 64,000 रुपये
D. 58,500 रुपये

81. एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के पास दिल्ली से जयपुर 300 कि.मी. (लगभग) दूरी के लिए सामान ले जाने के लिए 300 ट्रकों का एक बेड़ा है। हर ट्रक एक महीने में औसतन 20 दिन कार्य करता है जो दिल्ली से हर रोज 10 टन भार (सामान) ले जाता है और जयपुर से 8 टन सामान के साथ लौटता है। कुल व्यावसायिक टन–कि.मी. होगा:

A. 2,16,000
B. 1,08,000
C. 54,000
D. 1,62,000

82. एक ट्रक स्टेषन X से12 टन सामान भार लेकर चलता है। यह स्टेषन Y पर 4 टन सामान और स्टेषन Z पर शेष सामान उतार देता है। यह स्टेषन Zपर 10 टन सामान फिर से लादने के बाद स्टेषन X की ओर सीधे वापस पहुँचता है। X से Y तक, Y से Z तक दूरी क्रमषः 50 कि.मी. और 100 कि.मी. है। कुल टन–कि.मी. होगा:

A. 1,800
B. 3,300
C. 2,900
D. 1,900

83. बायलर–हाउस(Boiler-Houses) के लिए लागत इकाई होती है:

A. प्रति किलोलीटर
B. प्रति किलोवाट घंटा
C. दिया गया प्रति कंप्यूटर समय
D. आपूर्ति कीगई भाप का प्रति कि.ग्रा.

84. स्टॉकों का हमेषा मूल्य निम्नलिखित पर होता है:

A. लागत कीमत
B. बाजार कीमत
C. लागत कीमत अथवा बाजार कीमत, जो भी कम हो
D. लागत कीमत अथवा बाजार कीमत, जो भी अधिक हो

85. प्रक्रियाधीन कार्य(Work in Process) सामान्य रूप से निम्नलिखित पर निर्धारित किया जाता है:

A. फैक्टरी कीमत
B. मूल कीमत
C. निर्मित सामान की लागत
D. बेचे गए सामान की लागत

86. वर्ष के आरंभ में कच्चे माल का स्टॉक : 15,000 रुपये
वर्ष के अंत में कच्चे माल का स्टॉक : 20,000 रुपये
वर्ष के दौरान खरीदा गया कच्चा माल : 85,000 रुपये
अतः वर्ष के दौरान खपत किया गया कच्चा माल होगाः

A. 80,000 रुपये
B. 70,000 रुपये
C. 1,00,000 रुपये
D. 90,000 रुपये

87. लागत इकाई सामान्य तौर पर निम्नलिखित में एक मिश्रित इकाई (composite unit) होती हैः

A. कार्य लागत
B. अनुबंध लागत
C. सेवा लागत
D. सीमांत लागत

88. किसी कार्य को मुद्रित करने की कुल लागत 1,00,000 रुपये है। लागत पर 25% लाभ कमाना है। दर बताई जाने वाली कीमत होगीः

A. 75,000 रुपये
B. 1,25,000 रुपये
C. 1,20,000 रुपये
D. 80,000 रुपये

89. परिवर्तनषील लागत प्रति इकाई 30 रुपये है।
एक महीने के लिए स्थायी लागत 75,000 रुपये है।
गतिविधि की वर्तमान मात्रा (present volume) 500 इकाइयाँ हैं।
यदि एक इकाई अधिक उत्पादन करने का निर्णय लिया जाता है तब कुल लागतों में परिवर्तन की राषि क्या होगीः

A. 30 रुपये
B. 90,000 रुपये
C. 90,030 रुपये
D. 75 रुपये

90. बिक्री : 1,00,000 रुपये
परिवर्तनषील लागत : 30,000 रुपये
स्थायी लागत : 50,000 रुपये
लाभ : ?

A. 30,000 रुपये
B. 20,000 रुपये
C. 50,000 रुपये
D. 70,000 रुपये

91. बिक्री : 4,00,000 रुपये
परिवर्तनषील लागत : 3,00,000 रुपये
स्थायी लागत : 40,000 रुपये
तब $\frac{P}{V}$ अनुपात क्या है?
A. 20%
B. 30%
C. 25%
D. 17.5%

92. निम्नलिखित आँकड़ों से $\frac{P}{V}$ अनुपात परिकलित कीजिए:
वर्ष 2010 : बिक्री : 6,00,000 रुपये; लाभ : 1,00,000 रुपये
वर्ष 2011 : बिक्री : 10,00,000 रुपये; लाभ : 1,80,000 रुपये
A. 25%
B. 30%
C. 10%
D. 20%

93. निम्नलिखित आँकड़ों से लाभ ज्ञात कीजिए:
स्थायी लागत : 5,00,000 रुपये
परिवर्तनषील लागत प्रति इकाई: 10 रुपये
विक्रय मूल्य प्रति इकाई : 15 रुपये
उत्पादन स्तर : 1,50,000 इकाइयाँ
A. 2,50,000 रुपये
B. 4,00,000 रुपये
C. 3,50,000 रुपये
D. 1,50,000 रुपये

94. लाभ : 2,25,000 रुपये
$\frac{P}{V}$ अनुपात : 40%
सुरक्षा उपांत (Margin of safety) = ?
A. 5,00,000 रुपये
B. 3,25,000 रुपये
C. 5,62,500 रुपये
D. 3,62,500 रुपये

95. स्थायी लागत : 5,50,000 रुपये
$\frac{P}{V}$ अनुपात : 40%
सीमांत–स्तर बिन्दु (रुपयों में)= ?
A. 12,50,000 रुपये
B. 20,00,000 रुपये
C. 1,25,000 रुपये
D. 12,00,000 रुपये

96. स्थायी व्यय : 1,50,000 रुपये
परिवर्तनषील लागत प्रति इकाईः 10 रुपये
विक्रय मूल्य प्रति इकाई : 15 रुपये
सीमा–स्तर बिन्दु (इकाइयों में) = ?
A. 15,000 इकाइयाँ
B. 30,000 इकाइयाँ
C. 20,000 इकाइयाँ
D. 25,000 इकाइयाँ

97. बिक्री : 1,00,000 रुपये
लाभ : 10,000 रुपये
परिवर्तनषील लागत : 70%
अतः 40,000 रुपये का लाभ कमाने के लिए कितनी बिक्री होनी चाहिएः
A. 70,000 रुपये
B. 4,00,000 रुपये
C. 3,00,000 रुपये
D. 2,00,000 रुपये

98. बिक्री : 6,00,000 रुपये
परिवर्तनषील लागत : 3,75,000 रुपये
स्थायी लागत : 1,80,000 रुपये
अतः 1,20,000 रुपये का लाभ कमाने के लिए बिक्री कितनी होनी चाहिएः
A. 8,00,000 रुपये
B. 11,35,000 रुपये
C. 12,00,000 रुपये
D. 9,00,000 रुपये

99. सीमा–स्तर बिन्दु (B.E.P.) बिक्री : 1,60,000 रुपये
वर्ष 2011 के लिए बिक्री : 2,00,000 रुपये
वर्ष 2011 के लिए लाभ : 12,000 रुपये
अतः 3,00,000 रुपये के बिक्री मूल्य पर लाभ क्या होगाः
A. 40,000 रुपये
B. 28,000 रुपये
C. 42,000 रुपये
D. 32,000 रुपये

100. कुल बिक्री : 3,60,000 रुपये
विक्रय मूल्य प्रति इकाई : 100 रुपये
परिवर्तनषील लागत प्रति इकाईः 50 रुपये
स्थायी लागत : 1,00,000 रुपये
यदि विक्रय मूल्य को 10%तक कम कर दिया तो एम.ओ.एस. (सुरक्षा का उपांत) कितना कम हो जाता है?
A. 51,000 रुपये
B. 41,000 रुपये
C. 60,000 रुपये
D. 61,000 रुपये